सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र
Centre for Social Forestry and Eco-Rehabilitation
3/1 लाजपत राय रोड, नया कटरा, इलाहाबाद
3/1 Lajpat Rai Road, Allahabad

सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र इलाहाबाद में दिनांक 03.03.2017 को कृषि वानिकी –आजीविका सुधार हेतु एक सफल प्रयास विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 डी0एन0 तिवारी (भूतपूर्व महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून) का स्वागत केन्द्र के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला, भा0व0से0 ने किया। मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्जवलन करने के साथ ही कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। मुख्य अतिथि ने कृषि वानिकी से होने वाले लाभों के बारे में प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठी के विषय में संक्षिप्त परिचय एवं संगोष्ठी की रूप रेखा प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में कृषि वानिकी से सम्बन्धित विशेषज्ञों, प्रगतिशील कृषकों, गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्यों, विद्यार्थियों, वन विभाग के कर्मचारियों एवं वैज्ञानिकों ने भाग लिया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ताओं में प्रो0 विश्वस्वरूप मेहरा द्वारा जलवायु परिवर्तन में कृषि वानिकी की भूमिका पर प्रकाश डाला। केन्द्र की वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में कृषि वानिकी विषय पर प्रकाश डाला साथ ही संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने पापलर के कृषि वानिकी मॉडल की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किये। डा0 एच0पी0 चौधरी (पूर्व प्रो0 कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर) ने प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के द्वारा ग्रामीण विकास पर प्रकाश डाला। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून से आये वैज्ञानिक डा0 देवेन्द्र कुमार ने कृषि वानिकी के प्रमुख पेड़ों एवं औषधियों के बीज चयन एवं संचयन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और साथ में आये वैज्ञानिक डा0 आर0बी0 सिंह ने परती भूमि में बर्मा ड्रेक एवं ऑवला आधारित कृषि वानिकी द्वारा आजीविका सुधार विषय पर प्रकाश डाला। इसके बाद डा0 ओपी0 श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त प्रो0 बी0एच0यू0) ने कृषि वानिकी विस्तार एवं मृदा की उत्पादकता से सम्बन्धित जानकारी एवं अनुभव साझा कियें। सम्बन्धित विषय में डा0 डी0एन0 चौधरी (सेवानिवृत्त भा0व0से0) ने मध्य प्रदेश में की गयी सामाजिक वानिकी परियोजना पर अपने अनुभव साझाा किये। प्रगतिशील किसानों में प्रमुख रूप से सत्येन्द्र सिंह एवं राजेन्द्र पटेल ने सभी प्रतिभागियों से अपने–अपने अनुभव साझा किये।

कार्यक्रम का सफल आयोजन वन अनुसंधान संस्थान देहरादून की निदेशक डा0 सविता, भा0व0से0 तथा इलाहाबाद केन्द्र के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला, भा0व0से0 के कुशल मार्ग दर्शन मे किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में केन्द्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्य रूप से डा0 अनीता तोमर, आलोक यादव, डा0 धीरेन्द्र कुमार, डा0 अनुभा श्रीवास्तव डा0 वी0पी0 पाण्डेय, डा0 एस0डी0 शुक्ला, सियाराम, ए0के0 श्रीवास्तव व अन्य कर्मचारीगण के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

Glimpses of Conference on Agroforestry- An approach to Livelihood Improvement held at CSFER, Allahabad on 03.03.2017

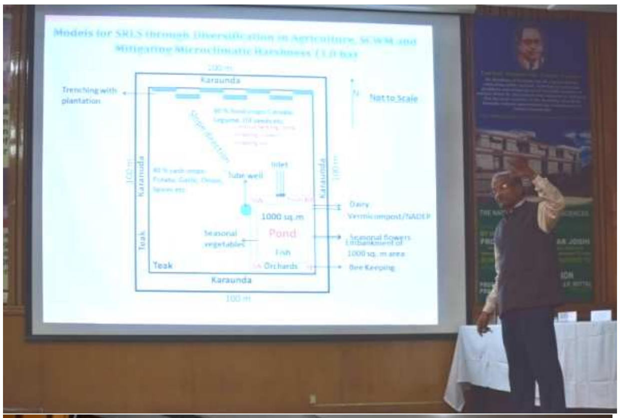
Karaunda
Trenching with plantation
Not to Scale
Tube well
Inlet
Karaunda
Dairy
1000 sq.m
Pond
Seasonal vegetables
Fish
Teak
Teak
Orchards
Bee Keeping
Karaunda
100 m

CSFER
Conference
On
Livelihood Improvement
Forest Research Institute
Indian Council of Forestry Research and Education)
Centre For Social Forestry And Eco-rehabilitation
Allahabad-211002

CSFER

कृषि वानिकी-आजीविका सुधार पर एक दिवसीय संगोष्ठी सम्पन्न

इलाहाबाद। सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र में शुक्रवार को 'कृषि वानिकी-आजीविका सुधार हेतु एक सफल प्रयास' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डा. डी.एन तिवारी, भूतपूर्व महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून रहे।इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कृषि वानिकी से होने वाले लाभों के बारे में प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठी के विषय में संक्षिप्त परिचय एवं रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य वक्ताओं में प्रो. विश्वस्वरूप मेहरा ने जलवायु परिवर्तन में कृषि वानिकी की भूमिका पर एवं केन्द्र की वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में कृषि वानिकी विषय पर प्रकाश डाला साथ ही संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.अनीता तोमर ने पापलर के कृषि वानिकी मॉडल की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किये। डा.एच.पी चौधरी, पूर्व प्रो. च.शे.आ विवि कानपुर ने प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के द्वारा ग्रामीण विकास पर प्रकाश डाला। केन्द्र के मुख्यालय से आये वैज्ञानिक डा.देवेन्द्र कुमार ने कृषि वानिकी के प्रमु पेड़ों एवं औषधियों बीज चयन एवं संचयन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और साथ में आये वैज्ञानिक डा. आर.बी सिंह के ने परती भूमि में बर्मा ड्रेक एवं ऑवला आधारित कृषि वानिकी द्वारा आजीविका सुधार विषय पर प्रकाश डाला। डा.ओ.पी श्रीवास्तव सेवानिवृत्त प्रो.बीएचयू ने कृषि वानिकी विस्तार एवं मृदा की उत्पादकता से सम्बन्धित जानकारी एवं अनुभव तथा डा.डी.एन चौधरी, सेवानिवृत्त भा.व.से ने मध्य प्रदेश में की गयी सामाजिक वानिकी पारेयोजना पर अपने अनुभव साझा किये। मुख्य अतिथि का स्वागत केन्द्र के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन वन अनुसंधान संस्थान देहरादून की निदेशक डा.सविता, भा.व.से तथा सा.वा.पा.पु. के इलाहाबाद के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला, भा.व.से के कुशल मार्गदर्शन मे आयोजित किया गया। साथ ही केन्द्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्य रूप से डा.अनीता तोमर, डा.आलोक यादव, डा.धीरेन्द्र कुमार, डा.अनुभा श्रीवास्तव डा.वी.पी पाण्डेय, डा.एस.डी शुक्ला, सियाराम, ए.के श्रीवास्तव व अन्य कर्मचारीगण के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कृषि वानिकी से सम्बन्धित विशेषज्ञों प्रगतिशील कृषकों गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्य, विद्यार्थियों, वन विभाग क कर्मचारियों एवं वैज्ञानिकी ने भाग लिया।

04/03/2017, इलाहाबाद एक्सप्रेस

कृषि वानिकी- आजीविका सुधार पर एक दिवसीय संगोष्ठी सम्पन्न

इलाहाबाद। सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र में शुक्रवार को 'कृषि वानिकी-आजीविका सुधार हेतु एक सफल प्रयास' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डा. डी.एन तिवारी, भूतपूर्व महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कृषि वानिकी से होने वाले लाभों के बारे में प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठी के विषय में संक्षिप्त परिचय एवं रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य वक्ताओं में प्रो. विश्वस्वरूप मेहरा ने जलवायु परिवर्तन में कृषि वानिकी की भूमिका पर एवं केन्द्र की वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में कृषि वानिकी विषय पर प्रकाश डाला साथ ही संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.अनीता तोमर ने पापलर के कृषि वानिकी मॉडल की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किये। डा.एच.पी चौधरी, पूर्व प्रो. च.शे.आ विवि कानपुर ने प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के द्वारा ग्रामीण विकास पर प्रकाश डाला। केन्द्र के मुख्यालय से आये वैज्ञानिक डा.देवेन्द्र कुमार ने कृषि वानिकी के प्रमु पेड़ों एवं औषधियों बीज चयन एवं संचयन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और साथ में आये वैज्ञानिक डा. आर.बी सिंह के ने परती भूमि में बर्मा ड्रेक एवं ऑवला आधारित कृषि वानिकी द्वारा आजीविका सुधार विषय पर प्रकाश डाला। डा.ओ.पी श्रीवास्तव सेवानिवृत्त प्रो.बीएचयू ने कृषि वानिकी विस्तार एवं मृदा की उत्पादकता से सम्बन्धित जानकारी एवं अनुभव तथा डा.डी.एन चौधरी, सेवानिवृत्त भा.व.से ने मध्य प्रदेश में की गयी सामाजिक वानिकी परियोजना पर अपने अनुभव साझाा किये।

मुख्य अतिथि का स्वागत केन्द्र के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन वन अनुसंधान संस्थान देहरादून की निदेशक डा.सविता, भा.व.से तथा सा.वा.पा.पु. के इलाहाबाद के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला, भा.व.से के कुशल मार्गदर्शन मे आयोजित किया गया। साथ ही केन्द्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्य रूप से डा.अनीता तोमर, डा.आलोक यादव, डा.धीरेन्द्र कुमार, डा.अनुभा श्रीवास्तव डा.वी.पी पाण्डेय, डा.एस.डी शुक्ला, सियाराम, ए.के श्रीवास्तव व अन्य कर्मचारीगण के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कृषि वानिकी से सम्बन्धित विशेषज्ञों प्रगतिशील कृषकों गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्य, विद्यार्थियों, वन विभाग के कर्मचारियों एवं वैज्ञानिकी ने भाग लिया।

04/03/2017, भारत संवाद

अमर उजाला

जलवायु परिवर्तन में कृषि वानिकी की भूमिका महत्वपूर्ण

इलाहाबाद (ब्यूरो)। सामाजिक वानिकी एवं पारि पुनर्स्थापन केंद्र में शुक्रवार को आयोजित संगोष्ठीमें विशेषज्ञों ने कृषि वानिकी विस्तार एवं मृदा की उत्पादकता से संबंधित जानकारी देते हुए अपने अनुभव साझा किए। दूर-दूर से आए किसानों को कृषि वानिकी से आजीविका सुधार के टिप्स भी दिए।

मुख्य अतिथि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के पूर्व महानिदेशक डॉ. डीएन तिवारी ने कृषि वानिकी से होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से बताया। केंद्र निदेशक मनोज कुमार शुक्ल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठि के विषय के बारे में जानकारी दी। मुख्य वक्ता डॉ. विश्वस्वरूप मेहरा ने जलवायु परिवर्तन में कृषि वानिकी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। डॉ. अनीता, डॉ. एचपी चौधरी, वैज्ञानिक डॉ. देवेंद्र कुमार, डॉ. ओपी सिंह ने जानकारी दी। डॉ. डीएन चौधरी ने मध्य प्रदेश में लागू सामाजिक वानिकी परियोजना पर अनुभव साझा किए। प्रगतिशील किसान बीडी सिंह एवं सत्येंद्र सिंह ने खेती किसानी के बारे में अपनी जानकारी दी।

उपलों र

इलाहाबाद (ब्यूरो)। पर्यावरण
बचाने के लिए संतों ने अबकी
पर विशेष पहल की है। उन्होंने
है कि होलिका दहन के लिए लक
के बजाए उपलों का इस्तेमाल कि
जाए। इससे पेड़ों
कटाई नहीं होगी,
पर्यावरण पर
कुप्रभाव नहीं पड़े
यह फैसला बड़े पैम
पर हो रही पेड़ों
कटाई के मद्देनजर लिया गया है

पर्यावरण बचाने को संतों की पहल

अखिल भारतीय अखाड़ा परि
के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि का कह
है होलिका दहन के बाद पौधरोप
भी किया जाएगा। नदियों के किन
नीम, पीपल, बरगद, देशी आम
पौधे लगाए जाएंगे। अखाड़ों के सं

04/03/2017, अमर उजाला

कृषि वानिकी-आजीविका सुधार पर एक दिवसीय संगोष्ठी सम्पन्न

इलाहाबाद, 03 मार्च। सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र में शुक्रवार को कृषि वानिकी-आजीविका सुधार हेतु एक सफल प्रयास विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डा. डी.एन तिवारी, भूतपूर्व महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कृषि वानिकी से होने वाले लाभों के बारे में प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठी के विषय में संक्षिप्त परिचय एवं रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य वक्ताओं में प्रो. विश्वस्वरूप मेहरा ने जलवायु परिवर्तन में कृषि वानिकी की भूमिका पर एवं केन्द्र की वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में कृषि वानिकी विषय पर प्रकाश डाला साथ ही संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.अनीता तोमर ने पापलर के कृषि वानिकी मॉडल की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किये। डा.एच.पी चाधरी, पूर्व प्रो. च.शे.आ विवि कानपुर ने प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के द्वारा ग्रामीण विकास पर प्रकाश डाला।

केन्द्र के मुख्यालय से आये वैज्ञानिक डा.देवेन्द्र कुमार ने कृषि वानिकी के प्रमु पेड़ों एवं औषधियों बीज चयन एवं संचयन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और साथ में आये वैज्ञानिक डा. आर.बी सिंह के ने परती भूमि में बर्मा ड्रेक एवं ऑवला आधारित कृषि वानिकी द्वारा आजीविका सुधार विषय पर प्रकाश डाला। डा.ओ.पी श्रीवास्तव सेवानिवृत्त प्रो.बीएचयू ने कृषि वानिकी विस्तार एवं मृदा की उत्पादकता से सम्बन्धित जानकारी एवं अनुभव तथा डा.डी.एन चाधरी, सेवानिवृत्त भा.व.से ने मध्य प्रदेश में की गयी सामाजिक वानिकी परियोजना पर अपने अनुभव साझा किये। मुख्य अतिथि का स्वागत केन्द्र के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन वन अनुसंधान संस्थान देहरादून की निदेशक डा.सविता, भा.व.से तथा सा.वा.पा.पु. के इलाहाबाद के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला, भा.व.से के कुशल मार्गदर्शन मे आयोजित किया गया। साथ ही केन्द्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्य रूप से डा.अनीता तोमर, डा.आलोक यादव, डा.धीरेन्द्र कुमार, डा.अनुभा श्रीवास्तव डा.वी.पी पाण्डेय, डा.एस.डी शुक्ला, सियाराम, ए.के श्रीवास्तव व अन्य कर्मचारीगण के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कृषि वानिकी से सम्बन्धित विशेषज्ञों प्रगतिशील कृषकों गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्य, विद्यार्थियों, वन विभाग के कर्मचारियों एवं वैज्ञानिकी ने भाग लिया।

04/03/2017, बुलंद दस्तक

कृषि वानिकी-आजीविका सुधार पर एक दिवसीय संगोष्ठी सम्पन्न

इलाहाबाद। सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र में शुक्रवार को 'कृषि वानिकी-आजीविका सुधार हेतु एक सफल प्रयास' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डा. डी.एन तिवारी, भूतपूर्व महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कृषि वानिकी से होने वाले लाभों के बारे में प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने 'संगोष्ठी के विषय में संक्षिप्त परिचय एवं रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य वक्ताओं में प्रो. विश्वस्वरूप मेहरा ने जलवायु परिवर्तन में कृषि वानिकी की भूमिका पर एवं केन्द्र की वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में कृषि वानिकी विषय पर प्रकाश डाला साथ ही संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.अनीता तोमर ने पापलर के कृषि वानिकी मॉडल की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किये। डा.एच.पी चौधरी, पूर्व प्रो. च.शे.आ विवि कानपुर ने प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के द्वारा ग्रामीण विकास पर प्रकाश डाला। केन्द्र के मुख्यालय से आये वैज्ञानिक डा.देवेन्द्र कुमार ने कृषि वानिकी के प्रमु पेड़ों एवं औषधियों बीज चयन एवं संचयन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और साथ में आये वैज्ञानिक डा. आर.बी सिंह के ने परती भूमि में बर्मा ड्रेक एवं ऑवला आधारित कृषि वानिकी द्वारा आजीविका सुधार विषय पर प्रकाश डाला। डा.ओ.पी श्रीवास्तव सेवानिवृत्त प्रो.बीएचयू ने कृषि वानिकी विस्तार एवं मृदा की उत्पादकता से सम्बन्धित जानकारी एवं अनुभव तथा डा.डी.एन चौधरी, सेवानिवृत्त भा.व.से ने मध्य प्रदेश में की गयी सामाजिक वानिकी परियोजना पर

अपने अनुभव साझा किये।

मुख्य अतिथि का स्वागत केन्द्र के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन वन अनुसंधान संस्थान देहरादूनं की निदेशक डा.सविता, भा.व.से तथा सा.वा.पा.पु. के इलाहाबाद के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला, भा.व.से के कुशल मार्गदर्शन मे आयोजित किया गया। साथ ही केन्द्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्य रूप से डा.अनीता तोमर, डा.आलोक यादव, डा.धीरेन्द्र कुमार, डा.अनुभा श्रीवास्तव डा.वी.पी पाण्डेय, डा.एस.डी शुक्ला, सियाराम, ए.के श्रीवास्तव व अन्य कर्मचारीगण के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कृषि वानिकी से सम्बन्धित विशेषज्ञों प्रगतिशील कृषकों गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्य, विद्यार्थियों, वन विभाग के कर्मचारियों एवं वैज्ञानिकी ने भाग लिया।

04/03/2017, सहजसत्ता

कृषि वानिकी-आजीविका सुधार पर एक दिवसीय संगोष्ठी सम्पन्न

इलाहाबाद (ब्यूरो)। सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र में शुक्रवार को 'कृषि वानिकी-आजीविका सुधार हेतु एक सफल प्रयास' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डा. डी.एन तिवारी, भूतपूर्व महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कृषि वानिकी से होने वाले लाभों के बारे में प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठी के विषय में संक्षिप्त परिचय एवं रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य वक्ताओं में प्रो. विश्वस्वरूप मेहरा ने जलवायु परिवर्तन में कृषि वानिकी की भूमिका पर एवं केन्द्र की वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में कृषि वानिकी विषय पर प्रकाश डाला साथ ही संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.अनीता तोमर ने पापलर के कृषि वानिकी मॉडल की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किये। डा.एच.पी चौधरी, पूर्व प्रो. च.शे.आ विवि कानपुर ने प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के द्वारा ग्रामीण विकास पर प्रकाश डाला।

केन्द्र के मुख्यालय से आये वैज्ञानिक डा.देवेन्द्र कुमार ने कृषि वानिकी के प्रमु पेड़ों एवं औषधियों बीज चयन एवं संचयन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और साथ में आये वैज्ञानिक डा. आर.बी सिंह के ने परती भूमि में बर्मा ड्रेक एवं आँवला आधारित कृषि वानिकी द्वारा आजीविका सुधार विषय पर प्रकाश डाला। डा.ओ.पी श्रीवास्तव सेवानिवृत्त प्रो.बीएचयू ने कृषि वानिकी विस्तार एवं मृदा की उत्पादकता से सम्बन्धित जानकारी एवं अनुभव तथा डा.डी.एन चौधरी, सेवानिवृत्त भा.व.से ने मध्य प्रदेश में की गयी सामाजिक वानिकी परियोजना पर अपने अनुभव साझा किये। मुख्य अतिथि का स्वागत केन्द्र के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला ने किया।

04/03/2017, दैनिक लोकमित्र

कृषि वानिकी, आजीविका सुधार पर संगोष्ठी संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। इलाहाबाद

सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र में शुक्रवार को 'कृषि वानिकी-आजीविका सुधार हेतु एक सफ्ल प्रयास' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डा.डी.एन तिवारी, भूतपूर्व महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कष्षि वानिकी से होने वाले लाभों के बारे में प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठी के विषय में संक्षिप्त परिचय एवं रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य वक्ताओं में प्रो. विश्वस्वरूप मेहरा ने जलवायु परिवर्तन में कष्षि वानिकी की भूमिका पर एवं केन्द्र की वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में कष्षि वानिकी विषय पर प्रकाश डाला साथ ही संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.अनीता तोमर ने पापलर के कष्षि वानिकी मॉडल की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किये। डा.एच.पी चौधरी, पूर्व प्रो. च.शे.आ विवि कानपुर ने प्राकष्तिक संसाधन प्रबंधन के द्वारा ग्रामीण विकास पर प्रकाश डाला। केन्द्र के मुख्यालय से आये वैज्ञानिक डा.देवेन्द्र कुमार ने कष्षि वानिकी के प्रमु पेड़ों एवं औषधियों बीज चयन एवं संचयन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और साथ में आये वैज्ञानिक डा. आर.बी सिंह के ने परती भूमि में बर्मा ड्रेक एवं ऑवला आधारित कृषि वानिकी द्वारा आजीविका सुधार विषय पर प्रकाश डाला। डा.ओ.पी श्रीवास्तव सेवानिवष्त प्रो.बीएचयू ने कृषि वानिकी विस्तार एवं मष्दा की उत्पादकता से सम्बन्धित जानकारी एवं अनुभव तथा डा.डी.एन चौधरी, सेवानिवष्त भा.व.से ने मध्य प्रदेश में की गयी सामाजिक वानिकी परियोजना पर अपने अनुभव साझा किये। मुख्य अतिथि का स्वागत केन्द्र के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का सफ्ल आयोजन वन अनुसंधान संस्थान देहरादून की निदेशक डा.सविता, भा.व.से तथा सा.वा.पा.पु. के इलाहाबाद के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला, भा.व.से के कुशल मार्गदर्शन मे आयोजित किया गया। साथ ही केन्द्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्य रूप से डा.अनीता तोमर, डा.आलोक यादव, डा.धीरेन्द्र कुमार, डा.अनुभा श्रीवास्तव डा.वी.पी पाण्डेय, डा.एस.डी शुक्ला, सियाराम, ए.के श्रीवास्तव व अन्य कर्मचारीगण के सहयोग से सफ्लतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कृषि वानिकी से सम्बन्धित विषेषज्ञों प्रगतिशील कृषकों गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्य, विद्यार्थियों, वन विभाग के कर्मचारियों एवं वैज्ञानिकी ने भाग लिया।

शियाट्स का स्थापना दिवस आज

इलाहाबाद। सैम हिग्गिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस 4 मार्च को यीशु दरबार प्रांगण में धूमधाम से मनाया जायेगा। शुआट्स की स्थापना इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट के रूप में वर्ष 1910 में 'भूखे को भोजन' व 'भूमि की सेवा' के सिद्धान्त पर हुई थी, परमेश्वर के आशीष एवं वर्तमान कुलपति मोस्ट रेव्ह. प्रो. राजेन्द्र बी. लाल के अथक प्रयासों एवं नेतृत्व में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 15 मार्च, 2000 को डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त हुआ था। प्रत्येक वर्ष 'विश्वविद्यालय दिवस' को धन्यंवादी समारोह के रूप में आयोजित किया जा रहा है। यीशु दरबार प्रांगण में प्रात: 10.00 बजे आयोजित होने वाले इस भव्य समारोह में कुलाधिपति डा. जे.ए. ओलीवर सहित अति गणमान्य व्यक्ति शिरकत करेंगे। यह जानकारी सह मीडिया प्रभारी डा.अरुण यादव ने दी।

04/03/2017, पॉयनियर

कृषि वानिकी-आजीविका सुधार पर एक दिवसीय संगोष्ठी सम्पन्ना

इलाहाबाद (हि.स)। सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र में शुक्रवार को 'कृषि वानिकी-आजीविका सुधार हेतु एक सफल प्रयास' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डा. डी.एन तिवारी, भूतपूर्व महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कृषि वानिकी से होने वाले लाभों के बारे में प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठी के विषय में संक्षिप्त परिचय एवं रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य वक्ताओं में प्रो. विश्वस्वरूप मेहरा ने जलवायु परिवर्तन में कृषि वानिकी की भूमिका पर एवं केन्द्र की वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में कृषि वानिकी विषय पर प्रकाश डाला साथ ही संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.अनीता तोमर ने पापलर के कृषि वानिकी मॉडल की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किये। डा.एच.पी चौधरी, पूर्व प्रो. च.शे.आ विवि कानपुर ने प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के द्वारा ग्रामीण विकास पर प्रकाशं डाला। केन्द्र के मुख्यालय से आये वैज्ञानिक डा.देवेन्द्र कुमार ने कृषि वानिकी के प्रमु पेड़ों एवं औषधियों बीज चयन एवं संचयन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और साथ में आये वैज्ञानिक डा. आर.बी सिंह के ने परती भूमि में बर्मा ड्रेक एवं ऑवला आधारित कृषि वानिकी द्वारा आजीविका सुधार विषय पर प्रकाश डाला। डा.ओ.पी श्रीवास्तव सेवानिवृत्त प्रो.बीएचयू ने कृषि वानिकी विस्तार एवं मृदा की उत्पादकता से सम्बन्धित जानकारी एवं अनुभव तथा डा.डी.एन चौधरी, सेवानिवृत्त भा.व.से ने मध्य प्रदेश में की गयी सामाजिक वानिकी परियोजना पर अपने अनुभव साझा किये।

मुख्य अतिथि का स्वागत केन्द्र के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन वन अनुसंधान संस्थान देहरादून की निदेशक डा. सविता, भा.व.से तथा सा.वा.पा.पु. के इलाहाबाद के निदेशक मनोज कुमार, शुक्ला, भा.व.से के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। साथ ही केन्द्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्य रूप से डा.अनीता तोमर, डा.आलोक यादव, डा.धीरेन्द्र कुमार, डा.अनुभा श्रीवास्तव डा.वी.पी पाण्डेय, डा.एस.डी शुक्ला, सियाराम, ए.के श्रीवास्तव व अन्य कर्मचारीगण के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पनन हुआ। कार्यक्रम में कृषि वानिकी से सम्बन्धित विशेषज्ञों प्रगतिशील कृषकों गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्य, विद्याथिर्यों, वन विभाग के कर्मचारियों एवं वैज्ञानिकी ने भाग लिया।

04/03/2017, शहर समता

कृषि वानिकी-आजीविका सुधार पर एक दिवसीय संगोष्ठी सम्पन्न

इलाहाबाद। प्रभात

सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र में शुक्रवार को 'कृषि वानिकी-आजीविका सुधार हेतु एक सफ्ल प्रयास' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डा. डी.एन तिवारी, भूतपूर्व महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कृषि वानिकी से होने वाले लाभों के बारे में प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठी के विषय में संक्षिप्त परिचय एवं रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य वक्ताओं में प्रो. विश्वस्वरूप मेहरा ने जलवायु परिवर्तन में कृषि वानिकी की भूमिका पर एवं केन्द्र की वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में कृषि वानिकी विषय पर प्रकाश डाला साथ ही संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.अनीता तोमर ने पापलर के कृषि वानिकी मॉडल की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किये। डा.एच.पी चौधरी, पूर्व प्रो. च.शे.आ विवि कानपुर ने प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के द्वारा ग्रामीण विकास पर प्रकाश डाला। केन्द्र के मुख्यालय से आये वैज्ञानिक डा.देवेन्द्र कुमार ने कृषि वानिकी के प्रमु पेड़ों एवं औषधियों बीज चयन एवं संचयन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और साथ में आये वैज्ञानिक डा. आर.बी सिंह के ने परती भूमि में बर्मा ड्रेक एवं ऑवला आधारित कृषि वानिकी द्वारा आजीविका सुधार विषय पर प्रकाश डाला। डा.ओ.पी श्रीवास्तव सेवानिवृत्त प्रो.बीएचयू ने कृषि वानिकी विस्तार एवं मृदा की उत्पादकता से सम्बन्धित जानकारी एवं अनुभव तथा डा.डी.एन चौधरी, सेवानिवृत्त भा.व.से ने मध्य प्रदेश में की गयी सामाजिक वानिकी परियोजना पर अपने अनुभव साझाा किये। मुख्य अतिथि का स्वागत केन्द्र के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का सफ्ल आयोजन वन अनुसंधान संस्थान देहरादून की निदेशक डा.सविता, भा.व.से तथा सा.वा.पा.पु. के इलाहाबाद के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला, भा.व.से के कुशल मार्गदर्शन मे आयोजित किया गया।

04/03/2017, प्रभात

कृषि वानिकी-आजीविका सुधार पर एक दिवसीय संगोष्ठी सम्पन्न

इलाहाबाद। सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र में शुक्रवार को 'कृषि वानिकी-आजीविका सुधार हेतु एक सफल प्रयास' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डा. डी.एन तिवारी, भूतपूर्व महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कृषि वानिकी से होने वाले लाभों के बारे में प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठी के विषय में संक्षिप्त परिचय एवं रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य वक्ताओं में प्रो. विश्वस्वरूप मेहरा ने जलवायु परिवर्तन में कृषि वानिकी की भूमिका पर एवं केन्द्र की वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में कृषि वानिकी विषय पर प्रकाश डाला साथ ही संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.अनीता तोमर ने पापलर के कृषि वानिकी मॉडल की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किये। डा.एच.पी चौधरी, पूर्व प्रो. च.शे.आ विवि कानपुर ने प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के द्वारा ग्रामीण विकास पर प्रकाश डाला। केन्द्र के मुख्यालय से आये वैज्ञानिक डा.देवेन्द्र कुमार ने कृषि वानिकी के प्रमु पेड़ों एवं औषधियों बीज चयन एवं संचयन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और साथ में आये वैज्ञानिक डा. आर.बी सिंह के ने परती भूमि में बर्मा ड्रेक एवं ऑवला आधारित कृषि वानिकी द्वारा आजीविका सुधार विषय पर प्रकाश डाला। डा.ओ.पी श्रीवास्तव सेवानिवृत्त प्रो.बीएचयू ने कृषि वानिकी विस्तार एवं मृदा की उत्पादकता से सम्बन्धित जानकारी एवं अनुभव तथा डा.डी.एन चौधरी, सेवानिवृत्त भा.व.से ने मध्य प्रदेश में की गयी सामाजिक वानिकी परियोजना पर अपने अनुभव साझा किये।

मुख्य अतिथि का स्वागत केन्द्र के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन वन अनुसंधान संस्थान देहरादून की निदेशक डा.सविता, भा.व.से तथा सा.वा.पा.पु. के इलाहाबाद के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला, भा.व.से के कुशल मार्गदर्शन मे आयोजित किया गया। साथ ही केन्द्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्य रूप से डा.अनीता तोमर, डा.आलोक यादव, डा.धीरेन्द्र कुमार, डा.अनुभा श्रीवास्तव डा.वी.पी पाण्डेय, डा.एस.डी शुक्ला, सियाराम, ए.के श्रीवास्तव व अन्य कर्मचारीगण के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कृषि वानिकी से सम्बन्धित विशेषज्ञों प्रगतिशील कृषकों गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्य, विद्यार्थियों, वन विभाग के कर्मचारियों एवं वैज्ञानिकी ने भाग लिया।

04/03/2017, प्रयागराज टाइम्स

प्रयाग उदय
हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद, शनिवार 04 मार्च 2017
इलाहाबाद अं

कृषि वानिकी-आजीविका सुधार पर एक दिवसीय संगोष्ठी सम्पन्न

इलाहाबाद। सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र में शुक्रवार को 'कृषि वानिकी–आजीविका सुधार हेतु एक सफल प्रयास' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डा. डी.एन तिवारी, भूतपूर्व महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कृषि वानिकी से होने वाले लाभों के बारे में प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठी के विषय में संक्षिप्त परिचय एवं रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य वक्ताओं में प्रो. विश्वस्वरूप मेहरा ने जलवायु परिवर्तन में कृषि वानिकी की भूमिका पर एवं केन्द्र की वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में कृषि वानिकी विषय पर प्रकाश डाला साथ ही संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.अनीता तोमर ने पापलर के कृषि वानिकी मॉडल की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किये। डा.एच.पी चौधरी, पूर्व प्रो. च.शे.आ विवि कानपुर ने प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के द्वारा ग्रामीण विकास पर प्रकाश डाला। केन्द्र के मुख्यालय से आये वैज्ञानिक डा. देवेन्द्र कुमार ने कृषि वानिकी के प्रमु पेड़ों एवं औषधियों बीज चयन एवं संचयन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और साथ में आये वैज्ञानिक डा. आर.बी सिंह के ने परती भूमि में बर्मा ड्रेक एवं ऑवला आधारित कृषि वानिकी द्वारा आजीविका सुधार विषय पर प्रकाश डाला। डा.ओ.पी श्रीवास्तव सेवानिवृत्त प्रो.बीएचयू ने कृषि वानिकी विस्तार एवं मृदा की उत्पादकता से सम्बन्धित जानकारी एवं अनुभव तथा डा.डी.एन चौधरी, सेवानिवृत्त भा.व.से ने मध्य प्रदेश में की गयी सामाजिक वानिकी परियोजना पर अपने अनुभव साझा किये। मुख्य अतिथि का स्वागत केन्द्र के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन वन अनुसंधान संस्थान देहरादून की निदेशक डा.सविता, भा.व.से तथा सा.वा.पा.पु. के इलाहाबाद के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला, भा.व.से के कुशल मार्गदर्शन मे आयोजित किया गया। साथ ही केन्द्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्य रूप से डा.अनीता तोमर, डा. आलोक यादव, डा.धीरेन्द्र कुमार, डा. अनुभा श्रीवास्तव डा.वी.पी पाण्डेय, डा. एस.डी शुक्ला, सियाराम, ए.के श्रीवास्तव व अन्य कर्मचारीगण के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कृषि वानिकी से सम्बन्धित विशेषज्ञों प्रगतिशील कृषकों गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्य, विद्यार्थियों, वन विभाग के कर्मचारियों एवं वैज्ञानिकी ने भाग लिया।

04/03/2017, प्रयाग उदय

कृषि वानिकी-आजीविका सुधार पर एक दिवसीय संगोष्ठी सम्पन्न

इलाहाबाद। सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र में शुक्रवार को 'कृषि वानिकी-आजीविका सुधार हेतु एक सफल प्रयास' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डा.डी.एन तिवारी, भूतपूर्व महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कृषि वानिकी से होने वाले लाभों के बारे में प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठी के विषय में संक्षिप्त परिचय एवं रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य वक्ताओं में प्रो. विश्वस्वरूप मेहरा ने जलवायु परिवर्तन में कृषि वानिकी की भूमिका पर एवं केन्द्र की वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में कृषि वानिकी विशय पर प्रकाश डाला साथ ही संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.अनीता तोमर ने पापलर के कृषि वानिकी मॉडल की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किये। डा.एच.पी चौध री, पूर्व प्रो. च.शे.आ विवि कानपुर ने प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के द्वारा ग्रामीण विकास पर प्रकाश डाला। केन्द्र के मुख्यालय से आये वैज्ञानिक डा. देवेन्द्र कुमार ने कृषि वानिकी के प्रमु पेड़ों एवं औषधियों बीज चयन एवं संचयन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और साथ में आये वैज्ञानिक डा. आर.बी सिंह के ने परती भूमि में बर्मा ड्रेक एवं ऑवला आधारित कृषि वानिकी द्वारा आजीविका सुधार विषय पर प्रकाश डाला। डा.ओ.पी श्रीवास्तव सेवानिवृत्त प्रो.बीएचयू ने कृषि वानिकी विस्तार एवं मृदा की उत्पादकता से सम्बन्धित जानकारी एवं अनुभव तथा डा.डी.एन चौधरी, सेवानिवृत्त भा.व.से ने मध्य प्रदेश में की गयी सामाजिक वानिकी परियोजना पर अपने अनुभव साझा किये। मुख्य अतिथि का स्वागत केन्द्र के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन वन अनुसंधान संस्थान देहरादून की निदेशक डा.सविता, भा.व.से तथा सा. वा.पा.पु. के इलाहाबाद के निदेशक मनोज कुमार शुक्ला, भा.व.से के कुशल मार्गदर्शन मे आयोजित किया गया। साथ ही केन्द्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्य रूप से डा.अनीता तोमर, डा.आलोक यादव, डा.धीरेन्द्र कुमार, डा.अनुभा श्रीवास्तव डा.वी.पी पाण्डेय, डा.एस.डी शुक्ला, सियाराम, ए.के श्रीवास्तव व अन्य कर्मचारीगण के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कृषि वानिकी से सम्बन्धित विशेषज्ञों प्रगतिशील कृषकों गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्य, विद्यार्थियों, वन विभाग के कर्मचारियों एवं वैज्ञानिकी ने भाग लिया।

04/03/2017, स्वतंत्र भारत